651

MASA-08

June - Examination 2019

M.A. (Final) Sanskrit Examination

आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

Paper - MASA-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) प्रो. सत्यव्रत शास्त्री कृत महाकाव्यों का नामोल्लेख करें।

(ii) प्रो. राजेन्द्र मिश्र विरचित दो लघुकाव्यों का उल्लेख करें।

(iii) कपिशायिनी एवं मृद्वीका इत्यादि गीतिकाव्यों के रचनाकार का नाम लिखिए।

(iv) प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी कृत गीतिकाव्यों का उल्लेख करें।

(v) प्रो. शिव सागर त्रिपाठी कृत नाटक का उल्लेख करें।

(vi) 'द्वासुपर्णा' उपन्यास के उपन्यासकार कौन हैं?

(vii) जैन मुनि आचार्य विद्यासागर जी की किन्हीं तीन रचनाओं का नाम लिखें।

(viii) संस्कृत भाषा में विरचित किन्हीं ती निबन्ध संग्रहों का उल्लेख करें।

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) 'कविहर्षदेव माधव का उद्देश्य है विश्व कविता के मंच पर संस्कृत काव्य को खड़ा करना'' आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? अपने विचार उद्धरण सहित लिखें।

3) वनमाली विश्वाल के लघुकाव्यसंग्रहों पर संक्षिप्त आलेख लिखें।

4) प्रो. राजेन्द्रमिश्र की 'संस्कृत साहित्य को देन' विषय पर उदाहरण सहित आलेख लिखें।

5) केशवचन्द्र द्वारा रचित संस्कृत उपन्यासों की समीक्षा कीजिए।

6) संस्कृत साहित्य में रचित 'यात्रावृत्तों' पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

7) जैन मुनि 'आचार्य तुलसी का संस्कृत साहित्य को योगदान' विषय पर अपने विचार पर प्रस्तुत कीजिए।

8) जैन आर्यिकाओं का परिचय देते हुए उनके द्वारा रचित संस्कृत साहित्य पर संक्षिप्त लेख लिखें।

9) 'चन्द्रमहीपतिः' नामक उपन्यास में 'कथा–लेखन की विविध शैलियों शिल्पों एवं कथ्यों का एक जगह समावेश है' इस कथन की युक्ति युक्त समीक्षा करें।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध (1950 से 1990) तक के संस्कृत रूपकों पर विवरणात्मक लेख लिखें।

11) प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी के लघु काव्यों की समीक्षा कीजिए।

12) संस्कृत वाङ्मय की नई निबन्ध परम्परा में हृषीकेश भट्टाचार्य के अवदान को उल्लिखित करें।

13) तेरापंथी जैन मुनि चन्दन मुनि की संस्कृत रचनाओं पर अपने विचारों को लिपिबद्ध करें।